बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -06-10-2020**

विषय – हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ 12 विजयी विश्व तिरंगा प्यारा नामक कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।

कुछ कल अध्ययन कराया गया था आज उसके आगे अध्ययन करेंगे।

संकेत = स्वतंत्रता के ---------- रहे हमारा!

व्याख्या –

आजादी के संग्राम को देखकर देश में वीरों का जोश हर क्षण बढ़ता जाता है तथा उनके जोश को देखकर ही दुश्मन भयभीत होकर मन ही मन काँपने लगता है एवं जो सब प्रकार के डर तथा मुसीबतों को समाप्त करने वाला है।

ऐसा हर क्षण हमारे मन में जोश तथा उमंग का संचार करने वाला प्रिय तिरंगा झण्डा सारी दुनिया में सबसे ऊँचाई पर हमेशा फहराता रहे।

संकेत = इस झंडे ---------- रहे हमारा।

शब्दार्थ

निर्भय = बिना डर के

संकल्प = प्रतिज्ञा

ध्येय = लक्ष्य

प्रसंग =

प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने आजादी के लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाने का संकेत दिया है।

व्याख्या = इस झंडे के नीचे रहते हुए निर्भय होकर हम स्वतंत्रता प्राप्त करने के लक्ष्य पर डटे रहे। आओ भारत माता की जय बोलते हुए हम संकल्प (प्रतिज्ञा) करें की स्वतंत्रता प्राप्त करना ही हमारा सबसे ऊँचा उद्देश्य है।

संगठन हेलमेल तथा निडरता का प्रतीक तिरंगा सारी दुनिया में सबसे ऊँचाई पर फहराता रहे।

गृहकार्य

(1) तिरंगा झण्डा हमारे मन में कौन -से – भाव जगाता है?